

# विश्व न्याय मन्दिर

15 दिसम्बर, 2009

सभी राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभाओं को

प्रिय बहाई मित्रगण,

हमें आपको यह सूचना देते हुए खुशी हो रही है कि कोई पाँच दशक पहले शोगी एफेंदी द्वारा जिन शानदार इमारतों को बनवाया गया था उनके जीर्णोद्धार और विकास के काम में हाल में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

तीन साल तक चलने वाले जीर्णोद्धार और नवीनीकरण के काम को सफलतापूर्वक पूरा कर लेने के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय अभिलेखागार भवन को तीर्थयात्रियों के लिये फिर से खोल दिया गया है, जहाँ पावन ग्रंथ तथा ऐतिहासिक महत्व की चीजें रखी गई हैं। बाहर के पत्थरों की मरम्मत कर दी गई है, जिस काम के लिये निष्ठावान कामगारों ने दो साल के दौरान तैंतीस हजार घंटे श्रमपूर्वक सूक्ष्म काम किये। इमारत की नींव को वाटरप्रूफ कर दिया गया है और पूरी इमारत को अंदर से लोहे के फ्रेम के सहारे कुछ इस प्रकार कंकरीट से ढाल दिया गया है कि यह अब भूकम्प निरोधक बन गई है। लोहे और कंकरीट का काम इमारत की नींव से छत तक किया गया है और आगन्तुकों को नज़र नहीं आता। अन्दर मुख्य सतह पर ग्रेनाइट की फर्श, ऊँची क्वालिटी के डिस्पले कैबिनेट, जो पुराने मूल कैबिनेट से मेल खाते हैं और जो कुछ इस प्रकार डिज़ाइन किये गये हैं कि अंदर रखी सामग्री साल-दर-साल सुरक्षित रखी जा सकती है, भूतल में तीर्थयात्रियों के स्वागत के लिये जगह निकाली गई है, शारीरिक रूप से अपंग लोगों को इमारत के अंदर तक आने की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वैसे उपाय किये गये हैं और वातावरण को पूरी तरह प्रदूषण रहित रखने तथा संरक्षण और सुरक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने का काम किया गया है।

बाब की समाधि की इमारत के जीर्णोद्धार के काम में हुई प्रगति भी कम महत्व की नहीं है। मूल भवन और इसके ऊपर खड़ी की गई इमारत को कंकरीट से कुछ इस प्रकार प्रबलित किया गया है कि यह भी भूकम्प निरोधक हो सके। यह काम भी पूरा होने को है। बाहर के पत्थर का काम और दक्षिणी हिस्से में नक्काशी का काम चल रहा है तथा इसके सुनहरे टाइल्स बदले जा रहे हैं, गुम्बद के जीर्णोद्धार के साथ-साथ इसके सुनहरे टाइल्स को भी बदला जा रहा है ताकि इसका मौलिक सौन्दर्य बना रह सके। नयी विद्युत व्यवस्था तथा पर्यावरणीय नियंत्रण प्रणाली का काम प्रगति पर है।

एक ओर कार्मल पर्वत पर यह महत्वपूर्ण परियोजना आगे बढ़ रही है और दूसरी ओर अक्का में हाल ही किब्ले के पास अधिग्रहित बहाउल्लाह की अंतिम विश्राम स्थली के गिर्द तथा रिज़वान के बाग में भी काम प्रगति पर है।

-विश्व न्याय मन्दिर